एक नजर में

कर्बला की दास्तान पर वाआज

इंदौर. दाउदी बोहरा समाज के मोहर्रम के अशारा मुबारका की नौ दिनी वाअज बाबजी नगर में कर रहे जनाब इदरीस भाई नूर भाई ने कर्बला की दास्तान पर बयान फरमाए. यह जानकारी देते हुए समाज के मीडिया प्रभारी मज़हर हुसैन सेठजी वाला व सदस्य बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि जनाब इदरीस भाई नूर भाई ने वाआज में कहा कि हमेशा इंसानियत की भलाई के काम करे। आपने कर्बला में तीन दिन के भुखे प्यासे इमाम हुसैन की शहादत के बयान भी फरमाएं. इस अवसर पर अश्कबार आंखों से पुरजोश मातम हुआ. हैदर अली बेग वाला की पार्टी वाअज में मतामी नोहा और मर्सिया पढ़ रहे है. वाआज में बड़ी संख्या में समाजवासी उपस्थित थे.

एपीआई इंदौर की नई कार्यकारिणी घोषित

इंदौर. एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया (एपीआई) इंदौर शाखा के लिए मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. राजेश अग्रवाल को अध्यक्ष, रूमेटोलॉजिस्ट डॉ. अक्षत पांडे को निर्विरोध सचिव तथा डॉ. रवि भाटिया को क्लिनिकल सेक्रेटरी चुना गया है. नई कार्यकारिणी आगामी दो वर्षों में संगठन की शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और सशक्त बनाने का कार्य करेगी. इस अवसर पर वर्तमान अध्यक्ष डॉ. आर.के. झा एवं सचिव डॉ. अभ्युदय वर्मा के योगदान की सराहना की गई. संस्था के पैट्रन डॉ. ए.के. पंचोलिया, डॉ. उल्लास महाजन, डॉ. सुबोध बांजल, डॉ. वी.पी. पांडेय एवं डॉ. प्रदीप मेहता ने यह जानकारी दी.

शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

इंदौर. श्री ग्वाल भैरव जनकल्याण समिति द्वारा श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर, विजय नगर चौराहा पर 22 से 24 जून तक शिव परिवार नूतन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. तीन दिवसीय महोत्सव में विभिन्न वैदिक एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे. 22 जून को कलश यात्रा, मंडप प्रवेश, मंडल पूजन तथा शिव परिवार विग्रहों के जलाधिवास एवं धान्याधिवास के कार्यक्रम होंगे। 23 जून को वास्तु पूजन, विभिन्न हवन एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा. 24 जून को योगीपीर रामनाथ महाराज (भरतरी गुफा, उज्जैन) के सान्निध्य में शिव परिवार विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा, महापूजन, महाआरती एवं पूर्णाहुति संपन्न होगी. सायंकाल कृष्णसखा भजन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा. कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी. महोत्सव के दौरान ब्रह्मलीन बाबा इंदरचंद्र यादव की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा.

हिंदी नाटक मेरे कृष्ण का मंचन

इंदौर. लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में रविवार को संस्था रस भारती द्वारा सदस्यों के लिए आयोजित नाटक मेरे कृष्ण में देखने को मिला. नाटक की मंच सज्जा और ग्राफिक एक बार फिर दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना. 130 से अधिक कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम के साथ प्रस्तुत किया जा रहा मेरे कृष्ण भारतीय रंगमंच की सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी नाट्य प्रस्तुतियों में गिना जाता है. इसकी भव्यता, तकनीकी उत्कृष्टता और भावनात्मक गहराई इसे सामान्य नाटकों से अलग एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है. नाटक की प्रभावशाली पटकथा डॉ. नरेश कात्यायन द्वारा लिखी गई है, जबकि संगीत निर्देशन उद्धव ओझा ने किया है. प्रस्तुति के गीतों को स्वर दिया है प्रसिद्ध गायक शान, पलक मुच्छल और जावेद अली ने. श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर जीवन के हर क्षण में स्त्री को सम्मान दिया। राधा, ब्रज की गोपियां हो या 16 हजार रानियां हो। उन्होंने हर कदम पर स्त्री के वंदनीय और पूजनीय होने का संदेश दिया.

हैबिल्ड ने बनाया 10वां विश्व रिकॉर्ड

इंदौर. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले, भारत का आदत-निर्माण वेलनेस प्लेटफ़ॉर्म हैबिल्ड ने अपना 10वां विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है. सिर्फ़ एक सप्ताह में 1 करोड़ से अधिक लोग इसके योग आंदोलन से जुड़े, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े सामुदायिक वेलनेस अभियानों में से एक बन गया है. यह उपलब्धि हैबिल्ड की राष्ट्रव्यापी पहल 'हर घर योगा. हर दिन होगा' के तहत हासिल की गई, जो लोगों को योग को साल में सिर्फ़ एक दिन तक सीमित रखने के बजाय रोज़ाना की आदत बनाने के लिए प्रेरित करती है. आईआईटी एलुमनस, सरकार द्वारा प्रमाणित योग विशेषज्ञ और हैबिल्ड के सह-संस्थापक सौरभ बोथरा द्वारा स्थापित इस प्लेटफ़ॉर्म ने दुनिया के सबसे बड़े वेलनेस समुदायों में से एक का निर्माण किया है. हैबिल्ड के सह-संस्थापक सौरभ बोथरा ने कहा हमारा 10वां विश्व रिकॉर्ड हासिल करना सिर्फ़ संख्याओं के बारे में नहीं है; यह उस बढ़ते आंदोलन का प्रतिबिंब है जिसमें लोग पूर्णता के बजाय निरंतरता को चुन रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हमें योग के महत्व की याद दिलाता है, लेकिन असली बदलाव तब होता है जब योग हमारी रोज़ाना की ज़िंदगी का हिस्सा बन जाता है.

ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट ने दिया ग्लोबल मार्केट में जाने का अवसर

इंदौर. इंदौर में बने डुवेट कवर हजारों मील दूर शिकागो के एक प्रीमियम बेडरूम तक पहुँच रहे हैं. करन सिंह द्वारा स्थापित प्रीमियम कॉटन बेडिंग ब्रांड, ईबेडी लिनेन रोज अपने प्रोडक्ट्स को एक्सपोर्ट कर रहा है. इंदौर स्थित यह माईक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राईज़ (एमएसएमई) एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग की मदद से एक क्षेत्रीय स्टार्टअप से एक ग्लोबल बिज़नेस में बदल गया है, जिसके पास 200 से अधिक फुलफिल्ड बाय एमेज़ॉन (एफबीए) एसकेयू हैं. यह मध्य प्रदेश में 50 से अधिक लोगों को स्थानीय रोजगार दे रहा है. विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर देश की अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों की भूमिका को उजागर किया जा रहा है. इन्हीं व्यवसायों में से एक है ईबेडी लिनेन, जिसने दिखा दिया है कि भारतीय डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड किस प्रकार एक्सपोर्ट की बाधाओं को पार करके जवाबदेही के साथ विकास करते हुए पूरे विश्व का भरोसा जीत सकते हैं. करन सिंह ने कहा हम ऐसे प्रोडक्ट बनाना चाहते थे, जो क्वालिटी और क्राफ्टसमैनशिप के ऊँचे मानक बनाए रखते हुए दैनिक जीवन में सुधार लेकर आएं. कपड़े को चुनने से लेकर उसकी सिलाई, पैकेजिंग और डिजाईन तक हर सुधार में ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया.

अमेज़न ब्यूटीवर्स सबसे बड़े ब्यूटी उत्सव के रूप में संपन्न

इंदौर. प्राइम डे से ठीक पहले, अमेज़न इंडिया ने अपने अब तक के सबसे बड़े ब्यूटी इवेंट अमेज़न ब्यूटीवर्स के तीसरे संस्करण का सफलतापूर्वक समापन किया. इस आयोजन में 2,500 से अधिक लोग शामिल हुए, जिनमें प्राइम मेंबर्स, 1500 से अधिक क्रिएटर्स, प्रमुख ब्यूटी ब्रांड्स और अनन्या पांडे, जैकलिन फर्नांडीस, शिल्पा शेट्टी, सोनाक्षी सिन्हा, मीरा कपूर, करिश्मा कपूर जैसी कई जानी-मानी मशहूर हस्तियां शामिल थीं. मुंबई के प्रतिष्ठित वर्ली सी लिंक पर एक शानदार लैंडमार्क प्रोजेक्शन के साथ शुरू हुए ब्यूटीवर्स 2026 ने ब्यूटी की बदलती दुनिया का जश्न मनाया. इस दौरान इमर्सिव ब्रांड एक्सपीरियंस, एक्सपर्ट्स के सेशन, क्रिएटर्स द्वारा की गई कहानियों की प्रस्तुति और इंग्रीडिएंट-बेस्ड स्किनकेयर, प्रीमियम ब्यूटी और ग्लोबल ब्यूटी इनोवेशन से जुड़े ट्रेंड्स दिखाए गए. पहली बार, अमेज़न ने इस अनुभव कोь द्दड्ड5श्ड्ड .द्ध्द्ब पर एक समर्पित ब्यूटीवर्स स्टोरफ्रंट के ज़रिए देश भर में पहुंचाया, जिससे भारत भर के लाखों ग्राहकों को लेटेस्ट ब्यूटी ट्रेंड्स, क्रिएटर्स के सुझावों और प्राइम डे ऑफर्स को खोजने, उनसे जुड़ने और खरीदारी करने का मौका मिला.

सख्त जांच के बाद प्रवेश, पुलिस-प्रशासन ने विद्यार्थियों की मदद भी की

- कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई नीट परीक्षा, विद्यार्थियों ने जताया निष्पक्षता पर भरोसा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. कड़े सुरक्षा इंतजामों और चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के बीच रविवार को नीट परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई. परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की एंट्री सुबह 11 बजे से शुरू हुई. किसी भी प्रकार की अनियमितता रोकने के लिए प्रशासन ने इस बार विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की.

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहा. अभ्यर्थियों को सघन जांच के बाद ही केंद्रों में प्रवेश दिया गया. अधिकांश केंद्रों पर थ्री-लेयर सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी. पिछले वर्ष हुए विवादों और अनियमितताओं के बाद इस बार की गई सख्त व्यवस्थाओं को लेकर परीक्षार्थियों ने संतोष व्यक्त किया. छात्रों का कहना था कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था से परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर उनका विश्वास बढ़ा है.

कलेक्टर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा: कलेक्टर शिवम वर्मा ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया. उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया तथा उनकी समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए.

स्कूल स्टॉफ भा रहा मददगार: परीक्षा के दौरान कई छात्र आवश्यक दस्तावेज लाना भूल गए थे, जिनकी सहायता पुलिस और स्कूल स्टाफ ने की. वहीं कुछ अभ्यर्थी गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए, जिसके कारण उन्हें निर्धारित केंद्र तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा. कुछ विद्यार्थी अंतिम समय में केंद्र पहुंचे और गेट बंद होने से पहले उन्हें प्रवेश दिया गया.

तालियां बजाकर किया उत्साहवर्धन: परीक्षा समाप्त होने के बाद जैसे ही छात्र-छात्राएं केंद्रों से बाहर निकले, वहां मौजूद अभिभावकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनका स्वागत किया। अभिभावकों का कहना था कि विद्यार्थियों ने एक महीने के भीतर दूसरी बार हृश्वश्वञ्ज परीक्षा दी है, जो उनके लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से बड़ी चुनौती रही। ऐसे में परीक्षा पूरी करने के बाद बच्चों का हौसला बढ़ाना जरूरी था, क्योंकि यह परीक्षा उनके भविष्य से जुड़ी हुई है।

- सुबह 11 बजे से परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश शुरू हुआ.
- थ्री-लेयर सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई.
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहा.
- सघन जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया.
- अधिकांश छात्रों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर भरोसा जताया.
- कुछ विद्यार्थियों ने दोबारा परीक्षा देने को मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण बताया.
- पुलिस और स्कूल स्टाफ ने जरूरतमंद छात्रों की सहायता की.

लेट हो रही छात्रा को पुलिस ने पहुंचाया सेंटर

नीट परीक्षा के दौरान एक छात्रा समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में परेशानी का सामना कर रही थी. सरवटे बस स्टैंड यातायात सहायता केंद्र का निरीक्षण कर रहे यातायात के एडिशनल डीसीपी नरेश बाबू अन्नोटिया को छात्रा और उसके पिता ने बताया कि वे परीक्षा केंद्र के लिए लेट हो रहे हैं. इस पर एडिशनल डीसीपी ने तत्काल उन्हें अपने वाहन से कृषि कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र पहुंचाया. समय पर सेंटर पहुंचने पर छात्रा और उसके पिता ने पुलिस का आभार व्यक्त किया.

छात्रों ने साझा किया परीक्षा का अनुभव

परीक्षा देकर निकली छात्रा सानिया ने बताया कि इस बार का प्रश्नपत्र पिछले पेपर की तुलना में अधिक कठिन था, विशेषकर फिजिक्स सेक्शन. उनका मानना है कि इस बार कटऑफ अपेक्षाकृत कम रह सकती है. उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर दोबारा परीक्षा देना मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रहा, हालांकि इस बार की व्यवस्था संतोषजनक रही.

इंदौर के छात्र रुद्राक्ष ने बताया कि इस बार की व्यवस्थाएं काफी बेहतर रहीं और ऐसा लगा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना नहीं है. उन्होंने कहा कि फिजिक्स का पेपर अपेक्षाकृत कठिन था, जबकि बायोलॉजी सामान्य स्तर की रही. परीक्षा केंद्र बदलने से कुछ असुविधा जरूर हुई.

नरसिंहगढ़ से परीक्षा देने आई प्रियांशी ने कहा कि मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के लिए हर परीक्षा समान होती है, लेकिन इस बार सुरक्षा व्यवस्था पहले से बेहतर दिखाई दी, जिससे निष्पक्ष परीक्षा का भरोसा बढ़ा है.

इंदौर की तनिष्क अग्रवाल ने बताया कि फिजिक्स और केमिस्ट्री अपेक्षाकृत कठिन थीं, जबकि बायोलॉजी का स्तर आसान रहा. उन्होंने कहा कि कम समय के अंतराल में दोबारा परीक्षा की तैयारी करना काफी दबावपूर्ण और मानसिक रूप से थकाने वाला अनुभव रहा.

आधार कार्ड भूलने पर पुलिस ने की मदद

पिपरिया निवासी रिया सिलावट, जो इंदौर के एक छात्रावास में रहकर परीक्षा देने आई थीं, परीक्षा केंद्र पहुंचने पर उन्हें पता चला कि वे अपना आधार कार्ड हॉस्टल में भूल गई हैं. पहचान पत्र नहीं होने के कारण उनकी प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी. इस दौरान केंद्र पर मौजूद एक एएसआई ने तत्परता दिखाते हुए उनके आधार कार्ड की प्रति मोबाइल पर उपलब्ध करवाने में सहायता की. इसके बाद उनकी पहचान सत्यापित हुई और वे समय पर परीक्षा में शामिल हो सकीं.

प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी कॉरपोरेट गवर्नेंस ढांचे की रीढ़

इंदौर. भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के इंदौर चैप्टर द्वारा 'प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी (पीसीएस) दिवस' के अवसर पर सीएस प्रोफेशनल्स के लिए इमर्जिंग टूल्स × तकनीक विषय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं पीसीएस डे समारोह का आयोजन होटल सरोवर पोर्टिको में किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक कंपनी सचिवों ने सहभागिता की.

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सीएस आशीष करोड़िया के मुख्य आतिथ्य में हुआ. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी केवल वैधानिक अनुपालनों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ईएसजी, स्टार्टअप्स, एफडीआई, सेक्रेटेरियल ऑडिट तथा कॉरपोरेट सलाहकार के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया. इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस अंकित मेड़तवाल ने कहा कि प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी देश के कॉरपोरेट गवर्नेंस ढांचे की रीढ़ हैं तथा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है. प्रोग्राम डायरेक्टर सीएस शिवम बघेल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज़ को उभरती प्रौद्योगिकियों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा आधुनिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराना था, जिससे वे बदलते कॉरपोरेट परिवेश में अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बना सकें. संचालन दीक्षा माहेश्वरी ने किया.

अवसरों की जानकारी साझा की

कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में उज्जैन की प्रख्यात टेडएक्स स्पीकर नविता अरोड़ा खन्ना ने एआई मनोविज्ञान, मानसिक एल्गोरिदम और एआई-संचालित गवर्नेंस विषय पर विचार व्यक्त किए. द्वितीय सत्र में हैदराबाद से आए सीएस अभिनव के.पी. ने कंपनी सचिवों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के टूल्स (एआई) विषय पर मार्गदर्शन दिया. दोपहर के तकनीकी सत्र में सीएस अभिनव के.पी. ने स्मार्ट सीएस प्रैक्टिस विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी. उन्होंने विभिन्न डिजिटल एवं एआई आधारित टूल्स, प्रैक्टिस मैनेजमेंट तकनीकों तथा भविष्य में कंपनी सचिव पेशे में उभरने वाले अवसरों की जानकारी साझा की.

बारिश नहीं गर्मी बरकरार, जून में भी बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर

नवभारत न्यूज़

इंदौर। मालवा-निमाड़ में बारिश नहीं होने और गर्मी से राहत नहीं मिलने के कारण जून में भी बिजली की मांग लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनुसार मई में इंदौर शहर में 44.50 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण हुआ, जो पिछले वर्ष से करीब पांच करोड़ यूनिट अधिक है। 25 मई को अधिकतम मांग 748 मेगावाट और 26 मई को सर्वाधिक 1.61 करोड़ यूनिट खपत दर्ज की गई थी।

जून के पहले 21 दिनों में ही शहर में 28 करोड़ यूनिट बिजली वितरित की जा चुकी है। कई दिनों में मांग 700 मेगावाट के आसपास रही, जबकि दैनिक खपत डेढ़ करोड़ यूनिट से अधिक दर्ज हुई। कंपनी स्तर पर भी अधिकांश दिनों में खपत 8.5 से 9.5 करोड़ यूनिट के बीच रही।

सामान्यत: जून में बारिश के बाद बिजली की मांग घटने लगती है, लेकिन इस बार मानसून की सुस्ती के कारण एसी, कूलर और पंखों का उपयोग लगातार बढ़ा हुआ है। यही वजह है कि मई के बाद जून में भी बिजली खपत और मांग ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो आने वाले दिनों में भी मांग में विशेष कमी की संभावना नहीं है।

इस बार अभिभाषक संघ के चुनाव में अध्यक्ष के लिए रिकॉर्ड 8 प्रत्याशी मैदान में

इंदौर. इंदौर अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनावचार दिन बाद 25 जून को होने जा रहे हैं. इस बार अध्यक्ष पद के लिए रेकॉर्ड 8 प्रत्याशी मैदान में है। अन्य पदों पर भी जोर आजमाइश कर रहे उम्मीदवारों की संख्या अधिक है.

इस बार के चुनाव में दो बदलाव है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत पहली बार कोषाध्यक्ष का पद महिला वकील के लिए आरक्षित रखा गया है, वही कुल छह कार्यकारिणी सदस्य में से 2 पद महिलाओं के लिए हैं। इस संबंध में संघ ने अपने संविधान में संशोधन किया है. अध्यक्ष के लिए इस बार 8नामांकन भरे गये हैं. सूत्रों के मुताबिक जिला बार के इतिहास में पहली मर्तबा अध्यक्ष पद पर इतने अधिक उम्मीदवार खड़े हुए हैं. जो नामांकन भरे गये हैं इनमे वर्तमान अध्यक्ष लखन लाल यादव के अलावा राकेश पाल, रविंद्र सिंह गौड़, गोपाल कचोलिया, श्रीराम भदौरिया, राजेंद्र यादव, मनोज कुमार वर्मा एवं राजेश खंडेलवाल शामिल है. इसी तरह सचिव पद के लिए धर्मेन्द्र गुर्जर, रोहित दातरे, भूपेंद्र साहू, अमित पाठक एवं विशाल रामटेके द्वारा नामांकन भरे गए हैं. उपाध्यक्ष एवं सह सचिव के लिए सात, सात एवं कोषाध्यक्ष पद पर 5 महिला वकीलों ने उम्मीदवार के रूप में नामांकन भरे है. कल नाम वापसी होना है, जिसके बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी हो जाएगी. 25 जून को 11 से 5 मतदान होगा. मुख्य निर्वाचन अधिकारी विमल कुमार मिश्रा एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी संजय मेहरा के मुताबिक उसी दिन मतगणना के बाद देर रात तक परिणाम

मेरे कृष्ण की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

- लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में गूंजा श्रीकृष्ण भक्ति का स्वर

इंदौर. लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में रविवार को आध्यात्मिक नाट्य प्रस्तुति मेरे कृष्ण का मंचन किया गया. कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित 21 मनमोहक दृश्यों को मंच पर जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया. बाल कृष्ण की नटखट लीलाओं से लेकर महाभारत और द्वारका तक की यात्रा को संगीत, नृत्य, अभिनय और आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया गया.

नाटक में टीवी कलाकार सौरभ राज जैन ने श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई, जबकि पूजा शर्मा ने राधा का किरदार निभाकर दर्शकों का मन मोह लिया. वहीं अर्पित रांका ने कंस और दुर्योधन की भूमिका में प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया. कार्यक्रम दोपहर लगभग 2 बजे शुरू हुआ और करीब 5 बजे तक चला. लगभग तीन घंटे तक चले इस नाट्य मंचन में भव्य मंच सज्जा, आकर्षक वेशभूषा और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया. लता मंगेशकर ऑडिटोरियम दर्शकों से खचाखच भरा नजर आया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कला प्रेमी इस प्रस्तुति का आनंद लेने पहुंचे. कार्यक्रम ने भक्ति, संस्कृति और भारतीय परंपराओं का सुंदर संदेश देते हुए उपस्थित लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ी.

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 26 को

इन्दौर. पंचकुइया, युगपुरुष धाम स्थित अंकुर रिहेब सेंटर पर 26 जून को अंतर्राष्टीय नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर 2 से 4 बजे तक आम लोगों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा, जिसमें प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. हिमांशु मंशारमानी, डॉ. वृष्टि पाटिल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नेहा रॉय अपनी टीम के साथ निःशुल्क परीक्षण कर जरुरतमन्द मरीजों को दवाईयां भी देंगे. श्री युगपुरुष धाम संस्था के सचिव श्री तुलसीदास धनराज शादिजा, अध्यक्ष श्रीमती जानवी-पवन ठाकुर एवं प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि अंकुर के माध्यम से अब तक 40 लोग नशा मुक्ति प्राप्त कर स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं. अब सेंटर की शाखा के रूप में बरजी बाई अग्रवाल नशा मुक्ति केंद्र भी गत फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है.

एक नजर में

आईएमए के द्वितीय एचआर कॉन्क्लेव 2026 में देशभर के एचआर विशेषज्ञों ने किया मंथन

मानव की रचनात्मकता, भावनात्मक समझ और निर्णय क्षमता का विकल्प नहीं

इंदौर. इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा द्वितीय आईएमए एचआर कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन होटल पार्क में किया गया. भविष्य के कार्यस्थलों में तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संतुलन विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के कॉन्क्लेव में देश के प्रतिष्ठित एचआर विशेषज्ञों, कॉर्पोरेट जगत के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, उद्यमियों तथा प्रबंधन विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

कॉन्क्लेव के प्रमुख वक्ता डेलॉइट इंडिया के ग्लोबल एम्प्लॉयर सर्विसेज के लीडर आलोक अग्रवाल ने नई श्रम संहिताओं एवं उनके एचआर और पेरोल संरचना पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तृत प्रस्तुति दी. उन्होंने बताया कि नई वेतन परिभाषा 50 प्रतिशत नियम, ग्रेच्युटी, भविष्य निधि तथा सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे. संगठनों को अपनी एचआर नीतियों, पेरोल सिस्टम तथा अनुपालन प्रक्रियाओं को समय रहते अद्यतन करना चाहिए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी अथवा प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करना पड़े. इन-सॉल्यूशन्स ग्लोबल लिमिटेड की ग्लोबल सीएचआरओ डॉ. तान्या मिश्रा ने कहा कि एआई अनेक कार्यों को सरल और तेज बना सकता है, लेकिन मानव की रचनात्मकता, भावनात्मक समझ और निर्णय क्षमता का कोई विकल्प नहीं है. इसलिए संगठनों को तकनीक के साथ मानव विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से चांनी त्रिवेदी, जे एस जुनेजा, अखिलेश खंडेलवाल ईशानी महेश्वरी, निष्ठा अरोड़ा, रूपल मेहता, पल्लवी गौतम, और पायल खंडेलवाल उपस्थित थे. आईएमए के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी प्रगति अत्यंत तीव्र गति से हो रही है, ऐसे में मानवीय मूल्यों और तकनीकी नवाचार के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है.

संगठनात्मक संस्कृति, नवाचार और प्रतिभा प्रबंधन

चार्ल्स गॉडविन, जोहो कॉर्पोरेशन ने कहा कि भविष्य के सफल संगठन वही होंगे जो सीखने, नवाचार और प्रयोग की संस्कृति को प्रोत्साहित करेंगेय श्रीकांत वडापल्ली, जियो ने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल का विकास भी अत्यंत आवश्यक है. अदिति प्रताप राठौर, स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने कहा कि विविधता केवल संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि व्यवसायिक सफलता का भी महत्वपूर्ण आधार है. सुरेंद्र तुरान, सन फार्मा ने कहा कि किसी भी संस्था की दीर्घकालिक सफलता उसके कर्मचारियों की सीखने की क्षमता, प्रेरणा और निरंतर विकास पर निर्भर करती है.